Dr. Sunil Kr. 'Suman'
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part-II (H)
Paper-III
Date:- 28-9-20
DO-Next-class

Models of Psychology

Behaviouristic Model

अर्जित व्यवहारों को निर्धारित करने के संबंध में सीखने के तीन आधारभूत सिद्धांत (Three Basic Principles of Learning that determine acquired behaviours) हैं। प्रबलन Re-inforcement) (ii) उत्तेजना सामान्यीकरण (Stimulus generalization) एवं (iii) विलोपन (Extinction) सीखने के इन तीनों आधारभूत नियमों (basic principles) का उपयोग व्यवहार की असामान्यता की व्याख्या हेतु किया जा सकता है। जैसे:-

(1) प्रबलन (Principle):- प्रबलन (Re-inforcement) शिक्षण व्यवहार का मूलाधार है। प्रबलन धनात्मक (Positive) एवं निषेधात्मक (Negative) स्वरूपों के हो सकते हैं। धनात्मक प्रबलन (Positive Reinforcement) प्रीतिकर (Pleasant), वांछनीय (desirable) एवं उत्साहवर्धक (Rewarding) होता है जिसके कारण किसी व्यवहार को बार-बार दुहराए जाने की संभावना प्रबल होती है। ठीक इसके विपरीत अप्रीतिकर (unpleasant), अवांछनीय (undesirable) अथवा दुःखद (Painful) प्रकृति निषेधात्मक स्वरूप (Negative Nature) का होता है। इसके कारण किसी व्यवहार घटना (behaviour event) के दुहराए जाने की संभावना (Probility of being Repeted) घटती है। लेकिन, दोनों ही स्थितियों में व्यक्ति के व्यवहार में बदलाव (alternation)

P.T.O

होता है। दोनों अर्जित या सीखा गया (acquired or learned) व्यवहार की श्रेणी में रखा जाता है।

कुसमायोजित व्यवहार के संदर्भ में भी प्रबलन का नियम लागू होता है। किसी विक्षुब्ध व्यक्ति (disturbed person) के लिए उसका असामान्य व्यवहार प्रतिरूप (abnormal behaviour pattern) किसी न किसी रूप में लाभप्रद होता है, इसीलिए वह प्रबलित (reinforced) रहता है। फलस्वरूप, व्यवहार के इन प्रतिरूपों (such patterns) के बार-बार दुहराए जाने की संभावना प्रबल होती है। यह प्रोत्साहन अप्रत्यक्ष (indirect) अथवा अज्ञात या अस्पष्ट (obscure) का स्वरूप होता है। फिर भी, प्रोत्साहन (reward) मिलता है, इसीलिए कुसमायोजित व्यवहार निरंतर बना रहता है। (maladjustive behaviour persist)

Next class

Scanned with CamScanner